तापमान

अधिकतम 40 .0 डिग्री
न्यूनतम 26 .0 डिग्री

हरिभूमि
सोनीपत भूमि

रोहतक, सोमवार, 9 जून 2025

12 डेंटल ओपीडी होगी शिफ्ट

12 बिना भेदभाव काम करना भाजपा सरकार की कार्य संस्कृति

खबर संक्षेप

रंगदारी मांगने की घटना में चौथा आरोपित गिरफ्तार

गोहाना। थाना शहर गोहाना की पुलिस टीम ने स्वर्ण कारोबारी से रंगदारी मांगने की घटना मे संलिप्त चौथे आरोपित गांव कहैल्पा के अमन को गिरफ्तार किया। न्यायालय के आदेश पर उसे एक दिन के पुलिस रिमांड पर लिया। गोहाना के कारोबारी ने 23 नवंबर 2024 को पुलिस को शिकायत दी थी कि उसके मोबाइल पर वाट्सएप पर काल की गई थी। उसके बाद पर्ची भेजकर धमकी दी गई कि दो करोड़ रुपये तैयार कर ले, नहीं तो कोई दुकान चलाने वाला नहीं रहेगा। उसके बाद कहा गया कि एक सप्ताह में रुपये नहीं देगा तो उसे व उसके परिवार को जान से मार दिया जाएगा।

महिला का पर्स छीनने वाला आरोपित गिरफ्तार

सोनीपत। सेक्टर-27 शहर थाना सोनीपत पुलिस ने महिला का पर्स छीनने की वारदात में शामिल आरोपित को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपित दीपक उर्फ धम्मू निवासी सिक्का कॉलोनी सोनीपत का है। पुलिस ने आरोपित को अदालत में पेश किया। जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। एक महिला ने सात जून को पुलिस से शिकायत देकर बताया था कि वह स्कूल से घर लौट रही थी। वह आदर्श नगर टर्निंग प्वाइंट के पास पहुंची। उसी दौरान दो युवक दो पहिया वाहन पर आए। उसका पर्स छीनकर फरार हो गए। पर्स में मोबाइल फोन व रुपये थे।

वाहन चोरी की वारदात में शामिल दो आरोपित काबू

सोनीपत। सेक्टर-27 शहर थाना सोनीपत पुलिस ने मोटरसाइकिल चोरी करने की वारदात में शामिल दो आरोपितो को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपित साहिल व फरमान निवासी देवड़ के है। पुलिस ने आरोपितो को अदालत में पेश किया। जहां से दोनों को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है। गांव फाजिलपुर निवासी दीपक ने पांच अप्रैल को पुलिस से शिकायत देकर बताया कि वह यूनिक गार्ड में काम करने के लिए आया था। अपने दोपहिया वाहन को गार्डन के बाहर खड़ा कर दिया। रात करीब पौने तीन बजे देखा तो बाइक गायब मिली। अपने स्तर पर बाइक की तलाश की, लेकिन कोई सुराग हाथ नहीं लग पाया। मामले को लेकर पुलिस को अवगत करवाया।

घर के बाहर से कार और पार्क के बाहर बाइक चोरी

सोनीपत। सेक्टर-27 शहर थाना क्षेत्र व कुंडली थाना क्षेत्र से अलग-अलग स्थानों से कार व दोपहिया वाहन के चोरी होने के आरोप का मामला सामने आया है। पुलिस ने विभिन्न धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया है। कुंडली स्थित किंग्सबरी टीडीआई की रहने वाली नेहा ने बताया कि उसकी कार चोरी हो गई। वारदात सीसीटीवी में हुई कैद। महावीर कॉलोनी से कमल ने बताया कि उसकी स्कूटी चोरी हो गई । शिकायत पर थाना सेक्टर-27 ने मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस का कहना है कि आसपास लगे सीसीटीवी की जांच की जाएगी।

प्री सुब्रोतो कप प्रतियोगिता 14 और 15 को होगी

सोनीपत। जिला फुटबाल संघ सोनीपत द्वारा जिला स्तरीय प्री सुब्रोतो कप फुटबाल प्रतियोगिता का आयोजन 14 से 15 जून तक एसएम हिंदू स्कूल फुटबाल ग्राउंड में होगा। प्रतियोगिता में 1 जनवरी 2011 या उसके बाद जन्म लेने वाला खिलाड़ी ही पात्र होगा एवं पूरी टीम एक ही स्कूल की होनी चाहिये। संघ के अध्यक्ष कुलदीप ने बताया की विजेता टीम 27 से 30 जून तक फतेहाबाद में राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में हिस्सा लेगी। महासचिव ने बताया कि प्रतियोगिता में खिलाड़ी का आधार कार्ड, जन्म प्रमाण पत्र, विड्राल फार्म तथा पिछले साल का रिपोर्ट काड प्रतियोगिता से पहले प्रस्तुत एवं वेरिफाई कराना जरूरी।

सोनीपत में तापमान 42 डिग्री के पार, मौसम विभाग ने लू से सतर्क रहने की दी चेतावनी

भीषण गर्मी से जनजीवन बेहाल, सुनसान रहीं सड़कें

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

हरियाणा में इन दिनों गर्मी ने अपने प्रचंड रूप में दस्तक दे दी है। सोनीपत में रविवार को अधिकतम तापमान 42 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जिसने इस सीजन का अब तक का उच्चतम स्तर छू लिया। सप्ताहांत होने के बावजूद शहर के बाजार, सड़कें और पार्क दोपहर के समय वीरान नजर आए। भीषण गर्मी और लू की वजह से आमजन अपने घरों में ही कैद रहने को मजबूर दिखे। सुबह 10 बजे के बाद से ही धूप तेज होनी शुरू हो गई थी और दोपहर तक तापमान चरम पर पहुंच गया। गर्म हवाएं इस कदर चलीं कि बाहर निकलना मुश्किल हो गया। अस्पतालों में गर्मी और डीहाइड्रेशन से प्रभावित मरीजों की संख्या में भी इजाफा दर्ज किया गया है।

मौसम विभाग के अनुसार, अगले तीन से चार दिन तक गर्मी और लू का प्रभाव बना रहेगा। 8 से 11 जून के बीच प्रदेश के कई इलाकों में पारा 45 डिग्री के पार भी जा सकता है। लाल चेतावनी जारी की गई है, जिसमें विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी गई है। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार फिलहाल किसी भी तरह की वर्षा या राहत की संभावना नजर नहीं आ रही। हवा में नमी की मात्रा कम और गर्म हवाएं तेज हैं, जिससे लू का असर और अधिक बढ़ गया है।

चिकित्सकों की चेतावनी: चिकित्सकों के अनुसार गर्मी के इस मौसम में हीट स्ट्रोक, लो ब्लड प्रेशर, चक्कर आना, उल्टी-दस्त और त्वचा संबंधी समस्याएं आम हो जाती हैं। खासकर बच्चे, बुजुर्ग और पहले से बीमार व्यक्ति जोखिम में होते हैं। आवश्यकता है कि लोग अपने खानपान पर ध्यान दें, घर से बाहर न निकलें और शरीर में पानी की कमी न होने दें।

सोनीपत। लाइन लीकेज का निरीक्षण करते हुए विधायक निखिल मदान।

खुद को ऐसे रखें सुरक्षित

- दोपहर 12 से 4 बजे के बीच धूप में जाने से बचें।
- सिर पर टोपी, गमछा या छाता लेकर ही बाहर निकलें।
- शरीर को ढकने वाले सूती कपड़े पहनें।
- बार-बार पानी पिएं, नींबू पानी, छाछ, लस्सी का सेवन करें।
- तले-भुने और बासी भोजन से परहेज करें।
- घर में पंखा-कूलर चलाते रहें, अगर संभव हो तो ठंडे स्थान पर समय बिताएं।
- बच्चों, बुजुर्गों और गर्भवती महिलाओं का विशेष ध्यान रखें।
- अगर किसी को हीट स्ट्रोक या अत्यधिक कमजोरी लगे, तो उसे तुरंत छायादार स्थान पर ले जाकर ठंडा पानी पिलाएं, ओआरएस या नमक-चीनी का घोल दें, और नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में संपर्क करें।

गर्मी का पड़ रहा है जनजीवन पर असर

तेज गर्मी का असर शहर की सामान्य गतिविधियों पर भी देखने को मिला। स्थानीय बाजारों में ग्राहक नहीं के बराबर दिखे। ऑटो व रिक्शा चालकों को खाली बैठना पड़ा। स्कूलों में पहले से गर्मी की छुट्टियां घोषित होने के कारण बच्चे घरों में ही सीमित हैं। वहीं कई निर्माण स्थलों पर काम प्रभावित हुआ, और मजदूरों ने दोपहर के समय काम करने से परहेज किया।

भीषण गर्मी में पेयजल संकट से जूझ रहे सेक्टरवासी
रैनीवेल लाइन लीक होने से गहराया संकट

- देवीलाल पार्क के पास पाइप लाइन में लीकेज, पांच दिन से टैंकरों पर निर्भर हैं लोग, विधायक ने किया निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

गर्मी अपने चरम पर है और ऐसे में पेयजल संकट ने सेक्टरवासियों की परेशानी को और बढ़ा दिया है। शहर के सेक्टर-12, 13, 14 और 15 सहित आसपास की सोसाइटियों में पिछले पांच दिनों से पानी की नियमित आपूर्ति ठप पड़ी हुई है। देवीलाल पार्क के पास रैनीवेल की लाइन लीक होने के कारण यमुना से आने वाली पानी की सप्लाई पूरी तरह बाधित है। स्थिति यह है कि लोगों को टैंकरों से पानी भरकर अपनी जरूरतें पूरी करनी पड़ रही हैं। भूमिगत ट्यूबवेल से जो पानी सप्लाई किया जा रहा है, वह खारा और उपयोग लायक नहीं है। गर्मी में 42 डिग्री सेल्सियस तापमान के बीच लोग पीने के पानी के लिए भटकने को मजबूर हैं। वहीं हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण (एचएसवीपी) के अधिकारियों से पेयजल की मांग कर रहे है, अधिकारी लोगों को जल्द लाइन ठीक होने का आश्वासन दे रहे हैं। इसी बीच रविवार को विधायक निखिल मदान ने मौके का निरीक्षण किया और आश्वासन दिया कि सोमवार से पेयजल सप्लाई पटरी पर लौट आएगी।

जल संकट के मुख्य कारण

मेहंदीपुर व बख्तावरपुर रैनीवेल से सोनीपत के विभिन्न सेक्टरों व निजी हाउसिंग सोसाइटियों को पेयजल आपूर्ति की जाती है। लेकिन पिछले सप्ताह देवीलाल पार्क के पास मुख्य रैनीवेल लाइन में गंभीर लीकेज आ गया, जिससे सप्लाई पूरी तरह बंद हो गई। एचएसवीपी द्वारा ट्यूबवेल के माध्यम से सेक्टर-15 में सुबह और सेक्टर-14 में शाम को आंशिक रूप से पानी सप्लाई किया जा रहा है, लेकिन वह न पर्याप्त है, न ही पीने योग्य।

जनता परेशान, समाधान की कर रही मांग

सेक्टरवासियों के अनुसार भीषण गर्मी में जब पानी की सबसे अधिक आवश्यकता होती है, उस समय पेयजल संकट बेहद तकलीफदेह है। लोगों का कहना है कि खारा पानी पीने से स्वास्थ्य पर विपरीत प्रभाव पड़ सकता है। सोसाइटियों में रहने वाले लोग पेयजल आपूर्ति नियमित करने की मांग कर रहे हैं और प्रशासन से शीघ्र समाधान की अपेक्षा कर रहे हैं। स्थानीय लोगों ने हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण से अनुरोध किया है कि भविष्य में इस तरह की समस्याओं से निपटने के लिए स्थायी समाधान की योजना बनाई जाए, ताकि गर्मी जैसे संवेदनशील मौसम में जनता को मूलभूत सुविधाओं के लिए जूझना न पड़े।

विधायक ने किया मौके का निरीक्षण

रविवार को विधायक निखिल मदान ने मौके पर पहुंचकर मरम्मत कार्य का निरीक्षण किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्देश दिए कि लाइन की मरम्मत कार्य को प्राथमिकता देते हुए जल्द से जल्द पूरा किया जाए, ताकि नागरिकों को राहत मिल सके। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि जब तक मरम्मत कार्य पूरा नहीं होता, तब तक टैंकरों के जरिए प्रभावित इलाकों में पानी की आपूर्ति सुनिश्चित की जाएगी।

लीकेज ठीक कराने का कार्य निरंतर जारी

देवीलाल पार्क के पास रैनीवेल लाइन की लीकेज को ठीक करने का कार्य निरंतर जारी है। उम्मीद है कि जल्द ही मरम्मत पूरी कर पानी की नियमित आपूर्ति बहाल कर दी जाएगी।
-पवन कुमार, कार्यकारी अभियंता, एचएसवीपी

मरम्मत का कार्य पूरा होने पर होगी पानी आपूर्ति शुरू

देवीलाल पार्क के पास रैनीवेल लाइन की लीकेज दूर करने का काम निरंतर जारी है। लाइन मरम्मत होने के बाद सेक्टरों में पानी आपूर्ति शुरू कर दी जाएगी।
-पवन कुमार, कार्यकारी अभियंता, एचएसवीपी।

सड़क हादसों में दो की मौत, चार घायल

- हरिद्वार से वापस घर लौटते समय हुआ हादसा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-334 बी पर तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में कार में सवार पांच युवक घायल हो गए। सभी युवक हरिद्वार से वापस घर लौट रहे थे। राहगीरों ने घायलों को उपचार के लिए नागरिक अस्पताल में भिजवाया। जहां चिकित्सक ने एक युवक को मृत घोषित कर दिया। जबकि चार युवकों को प्राथमिक उपचार के बाद रोहतक पीजीआई रेफर कर दिया। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सुपुर्द कर दिया।

गांव बोडिया कमालपुर रेवाड़ी निवासी राजकुमार ने बताया कि उसका बेटा साहिल अपने चार साथियों गांव के ही मेनपाल, सन्नी व शिवम तथा गांव चांदावास के हितेश के साथ शनिवार को कार में सवार होकर हरिद्वार जाने के लिए निकले थे। उनके बड़े बेटे निशांत ने साहिल के मोबाइल पर कॉल की तो पुलिसकर्मी ने कॉल उठाई। उन्होंने बताया कि कार सवार युवक गढ़ मिरकपुर के पास हादसे का शिकार हो गए हैं। इनमें साहिल की मौत हो गई और चार अन्य को गंभीर हालत में पहले नागरिक अस्पताल में भर्ती कराया था, जहां से उन्हें रोहतक रेफर किया गया। जिस पर उन्होंने गांव के सन्नी के पास कॉल किया। घायल सन्नी को परिजन रेवाड़ी लेकर आ रहे थे। उसने बताया कि कार को मेनपाल चला रहा था। वह कार को लापरवाही से चला रहा था। समझाने के बाद भी वह नहीं माना और कार सड़क किनारे गड्ढे में पलट गई। पुलिस ने राजकुमार के बयान पर कार चला रहे मैनपाल के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया है।

हादसे में कंपनी कर्मचारी की मौत

कुंडली औद्योगिक क्षेत्र में शनिवार रात वाहन की टक्कर से युवक की मौत हो गई। उत्तर प्रदेश के जिला बागपत के गांव मवीकलां निवासी संजय ने कुंडली थाना पुलिस को बताया कि उसका भाई संजीव कुंडली की कंपनी में काम करता था। वह रात को कंपनी से ड्यूटी खत्म कर घर आ रहा था। कुंडली औद्योगिक क्षेत्र में किसी वाहन ने उनके भाई को टक्कर मार दी। हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गया राहगीरों ने भाई को दिल्ली के नरेला स्थित सत्यवादी राजा हरिश्चंद्र अस्पताल में उसे भर्ती कराया, जहां चिकित्सक ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार दिल्ली पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सुपुर्द कर दिया। वहीं कुंडली थाना पुलिस ने इस संबंध में विभिन्न धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया है।

- औद्योगिक क्षेत्र में किसी वाहन की चपेट में आया

गन्नौर में सीएसडी कैंटीन खोलने की मांग

गन्नौर। भूतपूर्व सैनिक संगठन गन्नौर की मासिक बैठक रविवार को नायब सूबेदार ओमप्रकाश मलिक की अध्यक्षता में केडी नगर स्थित कार्यालय में संपन्न हुई। सभा का संचालन कैप्टन सतबीर सिंह दहिया ने किया । बैठक में ब्रिगेडियर यशपाल सिंह डायरेक्टर पार्क अस्पताल पानीपत ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की । बैठक में नायब सूबेदार ओमप्रकाश मलिक ने बताया कि 4 जून को संगठन के पदाधिकारी ने गन्नौर में सीएसडी कैंटीन खोलने की चंडीगढ़ में वेटरनरी सेल के इंचार्ज ब्रिगेडियर रोहित से मुलाकात कर कैंटीन खोलने की मांग की। नायब सूबेदार ओमप्रकाश मलिक ने कहा कि हमारा संगठन पिछले 8 वर्षों से गन्नौर में सीएसडी कैंटीन खोलने की मांग कर रहा है लेकिन सीएसडी कैंटीन खोलने के लिए अभी तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई हैं। संगठन को सरकार की तरफ से भी कोई कैंटीन खुलने का आश्वासन नहीं मिला है । उन्होंने कहा कि गोहाना व खरखोदा में सीएसडी कैंटीन पूर्व सैनिकों के लिए सुविधा उपलब्ध है , लेकिन गन्नौर में कोई भी सुविधा उपलब्ध नहीं है।

पिस्तौल के बल पर दो युवकों के अपहरण का प्रयास, चाकू से घायल करने का आरोप

- जान बचाने के लिए मंदिर में घुसे घायल, ग्रामीणों ने युवकों को हमलावरों से बचाया
- पीड़ित के बयान पर आरोपितो के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

सदर थाना क्षेत्र के गांव भठगांव में युवकों ने पिस्तौल और चाकू के बल पर दो दोस्तों का अपहरण करने के प्रयास का मामला सामने आया है। बाइकों पर आए हमलावरों ने युवकों को पिस्तौल व चाकू की नोक पर अपहरण करने का प्रयास किया। किसी तरह युवकों ने मंदिर में घुसकर अपनी जान बचाई।

ग्रामीणों ने युवकों को हमलावरों से बचाया। पीड़ितों ने मामले की शिकायत पुलिस को दी। पुलिस ने इस संबंध में विभिन्न धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया है।

ये था मामला

गांव भठगांव निवासी सचिन ने बताया कि वह अपने दोस्त तुषार के साथ खाटू श्याम मंदिर में दर्शन करने गया था। शुक्रवार की दोपहर करीब दो बजे जब वे बाइक पर गांव की तरफ जा रहे थे, तभी हर्ष अपने साथी मोहित के साथ सामने से आया। उनकी बाइक को टक्कर मार दी। दोनों इससे नीचे गिर गए। इसी दौरान दो और बाइक वहां पर आ गईं। जिन पर हर्ष के साथी मोहित, प्रवीन और दो अन्य लोग सवार थे। सभी ने दोनों के साथ मारपीट शुरू कर दी। प्रवीन ने सचिन के हाथ में चाकू मार दिया। जब दोनों भागने लगे तो आरोपितों ने रास्ता रोक लिया। मोहित ने लाठी से हमला किया और फिर पिस्टल तान कर सचिन को बाइक पर बैठा लिया। सचिन ने बताया कि हर्ष बाइक चला रहा था और मोहित पीछे बैठकर उसकी कमर में पिस्तौल लगाए हुए था। तुषार पर पिस्टल तान कर बाइक चलवाई। उससे नकलोई की ओर चलने के लिए कहा। तुषार ने मौका देखकर बाइक को खाटू श्याम मंदिर की तरफ मोड़ दिया और वहां शोर मचा दिया। हर्ष भी सचिन को मंदिर के अंदर ले गया। जहां मौजूद लोगों की मदद से दोनों बच निकले। आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए बाइक समेत फरार हो गए। मामले की सूचना पुलिस को भी दी गई। दोनों को घायल अवस्था में अस्पताल ले जाया गया। जहां से उनको खानपुर मेडिकल रेफर कर दिया गया। सचिन को एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। सचिन को चार और तुषार को तीन जगह चोट लगी है। मामले को लेकर पुलिस को शिकायत दी। पुलिस ने इस संबंध में विभिन्न धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया है। जांच अधिकारी अनिल ने बताया कि शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सुपुर्द कर दिया है। आरोपित के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया है।

कविता छिक्कारा ने एशिया चैंपियनशिप में जीता ब्रॉन्ज

गन्नौर। विधायक देवेंद्र कादियान एशिया चैंपियनशिप बेल्ट कुश्ती में विजेता कविता छिक्कारा का स्वागत करते ,साथ में कविता के परिजन ।

गन्नौर। दिल्ली में 23 से 25 मई तक हुई सीनियर एशिया चैंपियनशिप बेल्ट कुश्ती में चिरस्मी गांव की कविता छिक्कारा ने 70 किलोग्राम वर्ग में शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने ब्रॉन्ज मेडल जीतकर गांव और जिले का नाम रोशन किया। कविता यूपी पुलिस में सिपाही के पद पर कार्यरत हैं। वह स्पोर्ट्स कोटे से चयनित हुई थीं। अब वह सीनियर नेशनल स्पर्धा में हिस्सा लेंगी। रविवार को गांव में कविता के सम्मान में समारोह हुआ। गन्नौर अड्डे से फूलमालाओं के साथ बाइक काफिले में उन्हें गांव लाया गया। समारोह में हलका विधायक देवेंद्र कादियान मुख्य अतिथि रहे। उन्होंने कविता को सम्मानित किया और उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।ग्रामीणों ने विधायक कादियान का पगड़ी और फूलमालाओं से स्वागत किया। समाजसेवी हर्ष छिक्कारा और बिजेंद्र राणा ने भी कविता को सम्मानित किया। विधायक कादियान ने कहा कि बेटियां खेल और पढ़ाई दोनों में आगे बढ़ें। उन्होंने कहा कि महिलाएं आज हर क्षेत्र में आगे आ रही हैं। पुरुषों के वर्चस्व वाले खेलों में भी बेटियों ने अपनी प्रतिभा साबित की है। उन्होंने बालिकाओं को खेलों में रुचि बढ़ाने के लिए प्रेरित किया।

गन्नौर में लहरी सिंह पार्क व नगरपालिका पार्क में आवारा पशुओं से परेशान हैं लोग

- लेकिन पिछले कुछ समय से आवारा पशुओं की समस्या बढ़ती जा रही
- नगरपालिका व लहरी सिंह पार्क में आवारा पशुओं के घुसने की समस्या गंभीर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गन्नौर

गन्नौर में लहरी सिंह पार्क व नगरपालिका पार्क में आवारा पशुओं से इन दिनों लोग परेशान है । शहरवासियों का कहना है कि ये हॉल जब रहता है जब नगरपालिका टैंडर लगाकर प्रति महीने देख रेख पर नगरपालिका हर माह 45 हजार रुपए खर्च रही है।

शहर के बीचों-बीच स्थित लहरी सिंह पार्क प्रमुख सार्वजनिक स्थल है, जहां लोग अपने परिवार और दोस्तों के साथ घूमने के लिए आते हैं। लेकिन पिछले कुछ समय से आवारा पशुओं की समस्या बढ़ती जा रही है। कई बार पार्क में आवारा कुत्तों, गायों और अन्य पशु घुस जाते हैं, जो न केवल पार्क की सुंदरता को खराब कर रहे है, बल्कि लोगों के लिए भी परेशानी का सबब बन रहे है। नगरपालिका व लहरी सिंह पार्क में आवारा पशुओं के घुसने की समस्या गंभीर है। पार्क में आवारा कुत्तों का झुंड देखा जा सकता है, जो बच्चों और बुजुर्गों के लिए खतरनाक हो सकता है। इसके अलावा, आवारा गायें भी पार्क की हरियाली को खराब कर रही हैं। इन पशुओं की उपस्थिति के कारण बच्चे खेल नहीं पाते और लोग टहलने से भी कतराते हैं। कई बार तो पशु आपस में लड़ पड़ते हैं जिससे दुर्घटना की आशंका बनी रहती है।

टैंडर लगाकर प्रति महीने देख रेख पर नपा खर्च रही 45 हजार, फिर भी ये हॉल

देखरेख की जिम्मेदारी नगर पालिका के ठेकेदार की है : सचिव

नगर पालिका के सचिव ने बताया कि नगर पालिका द्वारा पार्क की देखरेख के लिए नगर पालिका द्वारा टेंडर दिया गया है और पार्क की देखरेख की जिम्मेदारी ठेकेदार की है । पार्क में आवारा पशु घुसने की शिकायत है तो नगरपालिका उसके खिलाफ कार्रवाई करेगी ।

कभी फूलों की तरह मत जीना,
जिस दिन खिलोगे बिखर जाओगे
जीना है तो पत्थर की तरह जियो,
किसी दिन तराशे गए तो खुदा बन जाओगे।
- हरिवंश राय बच्चन

शनिवार के दिन सुबह-सुबह औरतें पीपल के पेड़ पर मिठाई और चंद सिक्के शनिदेव को खुश करने के लिए चढ़ा जाती थी। शनिवार को स्कूल की छुट्टी भी बहुत जल्दी होती थी। मैं जल्दी ही छुट्टी से भी जल्दी भागती हुई घर की तरफ़ आती और वहां रखी मिठाई और सिक्के उठा लेती। मिठाई पेट के हवाले और सिक्के स्कूल बैग की जेब के हवाले कर देती थी।

कहानी
ललिता विम्मी

वो मेरी गलियां

बहुत दिनों बाद, आज अपने शहर, अपनी गली, अपने घर की तरफ़ जाना हुआ था। हालांकि मेरा कुछ नहीं बचा था वहां, बहुत पहले ही सब के ठिकाने बदल गए थे। चिलचिलाती धूप, गर्म लूं के थपेड़े, सिर पर ओढ़े हुए सूती दुपट्टे को एक बार फिर और खोल कर लपेट लिया था मैंने।

वही गली थी, बस अब पक्की बन गई थी। बड़ी सी मुख्य सड़क के सामने मेरे घर की भीड़ी सी गली। मुख्य सड़क पर एक ओर मंदिर था, मंदिर के बाहर एक विशाल पीपल का पेड़ हुआ करता था। पीपल के पेड़ के बराबर में एक तंग सी गली, और गली के बराबर में ही सीधे हाथ पर एक दुकान जहां टाफियाँ, पीले रंग के नमकीन रोल, जो फूंक मारने से ही उड़ जाते थे। मीठी और तरह तरह के रंगों की रंगीन सी गोलियां बहुत मज़ा आता था उन्हें खाने में। कभी अलग-अलग रंग लेती, तो कभी एक जैसा रंग। दुकान वाला चाचा, जो कि सबका चाचा था, बहुत डांटता था, रंग खाने हैं या गोलियाँ'?

पीपल के पेड़ के बायें हाथ को भी एक छोटी सी हलवाई की दुकान थी जहां दूध, मिठाइयां और प्रसाद मिलता था।

शनिवार को सुबह-सुबह औरतें पीपल के पेड़ पर मिठाई और चंद सिक्के शनिदेव को खुश करने के लिए चढ़ा जाती थी। शनिवार को स्कूल की छुट्टी भी बहुत जल्दी होती थी। मैं जल्दी ही छुट्टी से भी जल्दी भागती हुई घर की तरफ़ आती और वहां रखी मिठाई और सिक्के उठा लेती। मिठाई पेट के हवाले और सिक्के स्कूल बैग की जेब के हवाले। मेरा एक सहपाठी नवीन जो कि मेरे साथ ही स्कूल जाया करता था। शायद मुझे ये सब करते देख चुका था। मेरे घर शिकायत करने की उसमें हिम्मत नहीं थी, क्यों कि उस समय मैं अपने ग्रुप की सरदार थी और नवीन जैसे बहुत से बच्चे, जिन्हें दूसरे बच्चों से झगड़ने से डर लगता था। वे सरदार की शरण में रहते थे। शनिदेव के उन सिक्कों से मेरा व्यापार भी चलता था। बहुत बच्चों को मैंने उधार दे रखा था। वापसी तो किसी से भी नहीं हुई थी पर पैसों के चलते मेरा अलग ही रौब था।

एक दिन हमारे स्कूल के बाहर एक अलग तरह की कुल्फी प्लेट में बिक रही थी, उसमें लच्छे भी थे। मुझे उस कुल्फी की बहुत इच्छा हुई, मेरी उस समय की भाषा में मुझे बस कुल्फी की भूख लगी थी। मैंने अपने सारे देनदारों से पैसे वापस मांगे, और वो भी धमका कर।

आधी छुट्टी पूरी होने तक मुश्किल से पैसे इकट्ठे हुए, मैंने कक्षा में ना जाकर कुल्फी वाले के पास खड़े होकर कुल्फी खाई।

मेरे पीछे मुझ से प्रताड़ित बच्चों ने मीटिंग करके आते ही मुझे टीचर से प्रताड़ित करवाया। मैं बहुत ही दुखी धीमे-धीमे कदमों से घर पहुंची ही थी कि घर पर भी एमरजेंसी अदालत लगी हुई थी। मुझे स्कूल में पिटता देखकर शायद नवीन के भी पर निकल आये थे। उसने मेरे घर में मेरी मां को सब बता दिया था ।

मां बेचारी बहुत परेशान थी, उन्हें ये चिंता थी कि शनिदेव के पैसे उठाकर जो भूल लड़की ने की है, शनिदेव से कैसे क्षमा याचना करवाई जाये।

बड़े ताऊजी और बड़ी मां को ये चिंता थी कि लड़की की जात और बदमाशी लड़कों से भी बढ़कर, यही संस्कार है तो आगे क्या करेगी? पापा को ये चिंता थी कि पीपल के पेड़ पर से कुत्ते भी चीजें खाते रहते हैं। इतनी गंदगी, इतनी मक्खियां, बच्ची को कोई बीमारी लग गई तो? मां को भी डांट रहे थे, तुम उसे उसकी पसंद का नहीं खाने देती ना, इसलिए तो उसने ये भिखारियों से भी बदतर हरकत की।

मेरे गली के दूसरे बच्चे जो मेरे शैक्षणिक स्तर से हमेशा जलते थे, बड़े खुश थे कि आज आयेगा मजा मैडम बुद्धि माता को डंडे पड़ेंगे जब।

मैं बेचारी अकेली इतने लोगों की भीड़, सब के तेज तलवार से प्रश्न, ऊपर से गर्मी, मां ने तो आते ही दो जड़ दिए, बड़ी मां जैसे और जड़वाने के चक्कर में थी।

'ना छोटी, अभी मत मारो, पहले सारी बात पता कर, क्या पता और भी कहां-कहां से पैसे चुराये हों'। उस दिन की पिटाई से मैं शरीफ़ बच्ची बन गई थी। पीपल के पेड़ पर रखी मिठाई फिर भी मुझे ललचाती थी, पर मैं मुंह फेर के निकल जाती थी।

मैं कभी अपने घर की गली और कभी सामने मंदिर के बराबर की तंग गली देखकर थक चुकी हूं। शायद मुझे किसी ने नहीं पहचाना इसलिए तो कोई बोला नहीं। मैं वापस जाने के लिए रिक्शा बुलाने ही वाली थी कि ट्रेन की सीटी और छुकछुक की आवाज सुनाई दी। मेरे कदम मंदिर के उस तरफ वाली चौड़ी सड़क की तरफ दौड़ पड़े, जहां से चंद क्षणों के फासले पर मैं रेल की पटरी के पास पहुंच जाऊंगी। पहले मैं यहां ट्रेन आने से पहले नकली खेलने वाले नोट रखकर इंतजार करती थी कि कब इन पर से ट्रेन गुज़रे और कब ये असली हो जायें। आज मन कर रहा था कि क्यों ना बैग के सारे नोट निकाल कर ट्रेन की पटरी पर रख दूं,ताकि ये नकली ही हो जायें, और मेरे वो लम्हें मेरे वो दोस्त, मेरी वो गलियां, मेरा वो पीपल मुझे वापस मिल जाए।

मैंने दादागिरी भी छोड़ दी और नवीन से भी दोस्ती खत्म कर ली थी।

अब मेरी दोस्ती गली के कुत्तों और सांडों तथा गायों से हो गई थी। स्कूल से आने के बाद मैं इन्हीं के साथ खेलती, इन्हीं के साथ भागती। इनके ऊपर रंग से कभी अपना नाम लिखती तो कभी इनका नाम जो मैंने ही रखा था। मेरे एक आवाज लगाते ही मेरे ये दोस्त तुरंत मेरे पास आ जाते थे। गौरी, कजरा, मेरी गाय थी। शेरू छुटकु,कालु और भौंभौं, ये कुत्ते थे। विनायक छोटा बछड़ा था और बब्बर बड़ा और मोटा ताजा सांड था।

डाकौत पंडित की घरवाली अब सुबह शाम पीपल की सफाई करने आती थी। पर सिर्फ शनिवार को।

तंग गलियां धीरे-धीरे और तंग हो गई हैं, क्योंकि लोगों के घर की दहलीजें गलियों तक आ गई हैं। कमरों के ऊपर कमरे बनाकर लोगों ने आसमानी हवा को भी घेर लिया है। आजकल शनिदेव यहां मिठाई खाने भी नहीं आते क्योंकि, पीपल काट कर कई दुकानें बना दी गई हैं, जिनमें एक तो ब्रांडेड मिठाई की भी दुकान है।

मंदिर के ऊपर भी दो मंजिल बन गई हैं, जो शादी-ब्याह में बैंक्वेट हाल का काम करती हैं। तपती चिलचिलाती धूप में कोई शख्स बाहर ही नहीं था तो अपने या अनजान की पहचान कैसे करती। बार-बार गली में झांक रही थी। लग रहा था कि कोई अपना सा अहसास गर्म लूं के साथ आ रहा था। सामने पलट कर दुकानों की चमचमाती भीड़ में से अपनी मीठी गोलियों वाली दुकान तलाशने की कोशिश की, पर जैसे कोई नहीं थी वहां। तुक्के से गली के कोने वाली दुकान पर जाकर मीठी रंग-बिरंगी गोलियां मांगी तो हैरान से दुकानदार ने ब्रांडेड टाफियों का जार मेरी तरफ सरका दिया था।

मैम, शायद आपको ये चाहिए? निरूतर सी मैं एक ठंडी लैमन की बोतल खरीद कर बैग के हवाले करती हूं। मुझे लगभग बीस मिनट हो गए हैं, छुटकु कालू,भौंभौं, शेरू कोई भी नहीं दिखा। गौरी और कजरी तो पीपल के पेड़ के नीचे बैठी रहती थी, पर अब तो वो पीपल भी नहीं था। बब्बर तो धूप में भी ढां-ढां करता घूमता था। वो भी नजर नहीं आया कहां चले गए सब।

मैं कभी अपने घर की गली और कभी सामने मंदिर के बराबर की तंग गली देखकर थक चुकी हूं। शायद मुझे किसी ने नहीं पहचाना । इसलिए तो कोई बोला नहीं।

मैं वापस जाने के लिए रिक्शा बुलाने ही वाली थी कि ट्रेन की सीटी और छुकछुक की आवाज सुनाई दी। मेरे कदम मंदिर के उस तरफ वाली चौड़ी सड़क की तरफ दौड़ पड़े, जहां से चंद क्षणों के फासले पर मैं रेल की पटरी के पास पहुंच जाऊंगी। पहले मैं यहां ट्रेन आने से पहले नकली खेलने वाले नोट रखकर इंतजार करती थी कि कब इन पर से ट्रेन गुज़रे और कब ये असली हो जायें। आज मन कर रहा था कि क्यों ना बैग के सारे नोट निकाल कर ट्रेन की पटरी पर रख दूं,ताकि ये नकली ही हो जायें, और मेरे वो लम्हें मेरे वो दोस्त, मेरी वो गलियां, मेरा वो पीपल मुझे वापस मिल जाए।

मैं पटरी के पास पहुंच तो गई पर ट्रेन दनदनाती हुई निकल चुकी थी।

कविता
कृष्ण गोपाल विद्यार्थी

मेरे मन की बात

आदमी में इस कदर विष भर गया है।
विषधरों का वंश सारा डर गया है।
कल सुनोगे आदमी के काटने से,
रास्ते में सांप कोई मर गया है।

दुनिया में जिधर देखो नजर आते हैं पत्थर श।
उठ-उठ के एक-दूजे से टकराते हैं पत्थर।
है ख्वाब तो हसीन कि मंदिर में सजेंगे ,
छेनी की चोट से मगर घबराते हैं पत्थर।

चेहरों पर मुस्कान नहीं है, दिल में हिन्दुस्तान नहीं है।
कहने को तो फूल हैं लेकिन खुशबू से पहचान नहीं है। जब-से कट्टरपंथी डायन आन बसी है इस बस्ती में,सब हिन्दू या मुसलमान हैं, कोई भी इन्सान नहीं है।

हवाओं को तो बेशक खल रहा हूँ।
चिराग़ों की तरह मैं जल रहा हूँ।
जिन्होंने राह में कांटे बिछाए,
उन्हें भी साथ लेकर चल रहा हूँ।

कविता
राज ख्यालिया

लहू में डूबी वादियां

लहू में भीगी हर गली, है सरजमीं कश्मीर की,
सिसकती हैं दरख़्त भी, गवाही दें तहरीर की।

न पूछो कैसी आग है, बहारों की ज़मीं पे अब,
हर एक शाख़ पे दिखे है, परछाईं तासीर की।

बग़ावतें न थीं वहाँ, न कोई जुर्म, न इल्तिजा,
मगर भीड़ ने छीन ली, सदा किसी ज़मीर की।

कभी जो गूंजती थी वहाँ, अज़ान, दुआ, मोहब्बतें,
वहाँ अब गूँजती है सदा, किसी शहीद तीर की।

वो माँएँ पूछती हैं अब, कहाँ है मेरा लाल कहो,
नदी भी चुप है आजकल, कहानी एक नीर की।

गीत
प्रीति पाठक 'प्रीति'

नाथ कुंवारी हूं

तू ग़ज़लों का शहज़ादा तो मैं भी राजकुमारी हूँ
तेरे शब्दों के संग ब्याही वरना नाथ कुँवारी हूँ

तुझ पर जीवन साथी मैंने अपना सब कुछ वार दिया
तेरी ख़ातिर हीं तो मैंने गीतों का शृंगार किया
तू मेरी अभिलाषा है और तुझ पर मैं बलिहारी हूँ
तेरे शब्दों के सँग ब्याही वरना नाथ कुँवारी हूँ

मेरी ग़ाज़ल ख़्यालों के तुम हो गीतों के शान्त स्वर
जैसे साँझ ढले तारों से बिछा हुआ प्यारा अम्बर
तुम गीतों के पुष्प-सुमन तो मैं उसकी फुलवारी हूँ
तेरे शब्दों के सँग ब्याही वरना सजन कुँवारी हूँ

तुझसे होती सुबह शुरू तो तुझसे ही है शाम पिया
तू है जो सँग मेरे तो दुःख भी सुख का नाम पिया
मेरे जीवन का कंचन तू तुझपर सब कुछ हारी हूँ
तेरे शब्दों के सँग ब्याही वरना प्रिय कुँवारी हूँ

पाकर तेरा साथ मैंने पाया जीवन का सार है
तुमसे से ही जीवन मे आई ख़ुशियाँ बेशुमार है
तू मेरी ख़ुशियों की चाभी मैं उसकी किलकारी हूँ
तेरे शब्दों के सँग ब्याही वरना नाथ कुँवारी हूँ।

लघुकथा
डॉ. अंजना गर्ग

पार्क में भंडारा

अनु यह बड़े-बड़े लिफाफे उठाकर कहां जा रही है?' सुनीता ने अनु के हाथ में कई लिफाफे देख कर पूछा।

' पार्क में कुछ लोगों के द्वारा रोज भंडारा लगाया जाता है। वहीं पर जा रही हूं।' '

तो इनमे प्रसाद लेकर आएगी।' सुनीता ने लिफाफो को लगभग घूरते हुए सी पूछा।'

नहीं प्रसाद का तो एक कण लेती हूं हाथ पर ही।'

' तो इनका क्या करेगी?'

' लोग खा खा कर इधर-उधर प्लेट्स डाल देते हैं। उड़-उड़ कर लोगों के घरों के दरवाजो तक आ जाती है। पार्क इतना गंदा हो जाता है कि लोग सैर नहीं कर पाते। बच्चे खेल नहीं पाते। कुत्ते प्लेट्स को चाटने आ जाते हैं। फिर तुम्हें पता है यहां तो बंदर भी अपना कोहराम मचाते हैं।'

' तो स्वीपर किस लिए है ? कर देगा सारी साफ सफाई। यह उनका ही काम है।' सुनीता ने मुंह बना कर कहा।

' वो सुबह एक बार सफाई कर जाता है। सारा दिन तो नहीं करेगा।'

' तो तू इन लिफाफों का क्या करने जा रही है?

' बस कुछ खास नहीं। भंडारा समाप्त होने पर सारी प्लेट्स उठा उठा कर इनमें भर लेती हूं। पास में ही डंपिंग ग्राउंड है वहां डाल आती हूं।' अनु ने मुस्कुराते हुए कहा।

' तेरे घर में सफाई करने मेड आती है और तू वहां सफाई करने जा रही है।'

' यही तो सुनीता हमारी सोच है कि गरीब का काम है सफाई करना। अमीर का काम है दान पुण्य करना।' अनु ने उस की ओर देखते हुए कहा।' हां तो ठीक है ना, जिसके पास पैसा नहीं वह सफाई कर दे।' सुनीता ने हाथ मटकते हुए कहा।' और हम पैसे वाले गंद डालकर, घर आकर बैठ जाए।' ' आखिर क्या कहना चाहती हो तुम अनु- ---'

' यही कि दान पुण्य से ज्यादा जरूरी है इस धरा की साफ सफाई जिसको हम सब धरती मां तो कहते हैं पर इसको हम इतना प्रदूषित कर रहे हैं कि पृथ्वी के कणों की सांस भी रुक गई।' ' पर तेरे अकेले के करने से क्या होगा? सुनीता ने अनु की तरफ लापरवाही से प्रश्न उछाला।' यूंही कारवां बनता है।' कहती हुई अनु पार्क की ओर बढ़ चली। अनु के शब्दों में पता नहीं क्या जादू था कि सुनीता भी पीछे-पीछे हो ली ।

आधुनिक युग में साहित्य की स्थिति को लेकर कवयित्री एवं लेखिका अनामिका वालिया का कहना है कि आज भी साहित्यिक लेखन प्रगति पर है और नई युवा पीढ़ी भी साहित्य क्षेत्र में बेहतर लेखन कर रही है, जिससे कहा जा सकता है कि साहित्य बेहतर स्थिति में है। हालांकि सोशल मीडिया के माध्यम से साहित्य लेखन ज्यादा बढ़ा है। इससे भी युवा पीढ़ी साहित्य के प्रति आकर्षित हो रही है।

साक्षात्कार
ओ.पी. पाल

समाज को नई दिशा देता है साहित्य : अनामिका वालिया

हिन्दी साहित्य के संवर्धन के लिए लेखक अपनी अलग-अलग विधाओं में साहित्य साधना करते आ रहे हैं। ऐसे ही साहित्यकारों में कवयित्री अनामिका वालिया भी सामाजिक सरोकारों के मुद्दों पर अपने रचना संसार को आगे बढ़ा रही हैं। देशभक्ति और समाज में महिलाओं के मुद्दे पर भी कविताओं का लेखन और मंच से समाज को सकारात्मक संदेश देते हुए उन्होंने परिवार से मिली विरासत को आगे बढ़ाने का प्रयास किया है।

शिक्षाविद्, लेखिका एवं कवयित्री अनामिका वालिया शर्मा ने अपने साहित्यिक सफर को लेकर हरिभूमि संवाददाता से बातचीत करते हुए कुछ ऐसे पहलुओं का भी जिक्र किया है, जिसमें उनका मत है कि साहित्य के बिना समाज की कल्पना करना बेमानी है, क्योंकि साहित्य समाज का दर्पण होता है। महिला साहित्यकार अनामिका वालिया का जन्म 19 मई 1989 को जिला कैथल में देशबंधु वालिया और दमयंती वालिया के घर में हुआ। उनके नाना स्वर्गीय रमेश चंद्र ने आज़ाद हिंद फौज के सेनानी के रूप में और उसके बाद सेना में भर्ती होकर देश की सेवा की। इसलिए देशभक्ति और देश प्रेम भी विरासत में मिला। जबकि मामा स्वर्गीय अमरजीत अहलूवालिया कविता लेखन किया करते थे, तो उन्हें साहित्यिक माहौल मिलने के कारण बचपन में कविता लेखन में रुचि पैदा हुई। शायद यही कारण है कि उन्होंने 13-14 वर्ष की आयु से कविता लेखन शुरू कर दिया था। पहली कविता साहित्य सभा कैथल के मंच से चौदह वर्ष की आयु में पढ़ी जहां वह अपने पिता के साथ कार्यक्रम में पहुंची थी। इतनी कम उम्र में कविता लिखने और उसके पाठन पर सभी हैरान रहे।

अनामिका की प्रारंभिक शिक्षा कैथल और उच्च शिक्षा अंबाला शहर से पूरी हुई। अंबाला के एमडीएसडी कॉलेज से स्नातक की शिक्षा ग्रहण करने के दौरान ग्रेजुएशन की परीक्षा में पूरे कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय में द्वितीय व अंबाला ज़िले में प्रथम स्थान प्राप्त किया। इसके लिए उन्हें तत्कालीन केंद्रीय मंत्री कुमारी शैलजा के द्वारा गोल्ड मेडल से सम्मानित किया गया था। भाषण प्रतियोगिता में नेशनल यूथ फेस्टिवल में पूरे उत्तर भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए पहला स्थान प्राप्त किया, जिसके लिए हरियाणा सरकार द्वारा सम्मानित किया गया। साल 2014 से शिक्षा विभाग हरियाणा में अंग्रेजी लेक्चरर के तौर पर अपनी सेवाएं देना प्रारंभ किया। एक शिक्षिका के रूप में कार्य करते हुए उन्होंने सामाजिक मुद्दों पर आधारित विभिन्न नाटकों का लेखन एवं निर्देशन भी किया, जो राज्य स्तर पर प्रथम स्थान के लिए शिक्षा विभाग की ओर से उन्हें सम्मानित किया गया। साल 2018 में हरियाणा के यमुनानगर ज़िले में इनका विवाह हुआ। परिवार और दो जुड़वां बेटियों के प्रति अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हुए साहित्यिक सफर को आगे बढ़ाना आसान नहीं था, लेकिन परिवार के सहयोग और साहित्य के प्रति अपने समर्पण से अपने इस सफर को निरंतर जारी रखा। वर्तमान में अपने परिवार के साथ यमुना नगर में रहकर अध्यापन और साहित्य सेवा कर रही हैं। उनकी साहित्यिक गतिविधियों को परिवार के लोगों का प्रोत्साहन भी अहम रहा है। उन्होंने अपनी कविताओं के लेखन में देश, समाज और महिलाओं से जुड़े मुद्दों पर फोकस किया है। वहीं उन्होंने सैनिकों के शौर्य का जयगान तो कभी राजनीति पर व्यंग्यात्मक कविताओं को भी साहित्य मंच पर उतारा है। उनकी एक प्रसिद्ध रचना 'बेटियां मैदान में उतार दूं' स्कूल कॉलेज की बच्चियों को इतनी पसंद आई कि विभिन्न प्रतियोगियों में उन्होंने इसे प्रस्तुत किया और पुरस्कार प्राप्त किए। उच्च शिक्षा ग्रहण करने के बाद उन्होंने देश के विभिन्न राज्यों में होने वाले कवि सम्मेलनों में काव्यपाठ करना प्रारंभ किया और देश के अनेक प्रतिष्ठित न्यूज चैनलों पर काव्यपाठ किया है। इनका कहना है कि साहित्य जगत में एक बात आहत करने वाली है, कि साहित्यिक मंचों पर कविताओं के नाम पर चुटकले और अश्लीलता परोसी जा रही है, जिस पर अंकुश लगाना जरुरी है। साहित्य को समाज का दर्पण कहा गया है, इसलिए साहित्यकारों और लेखकों को युवा पीढ़ी को अपनी संस्कृति के प्रति प्रेरित करने वाला साहित्य सृजन करने की जरुरत है, ताकि समाज को सकारात्मक संदेश दिया जा सके। मसलन विशुद्ध साहित्य की रचना बेहद जरूरी है।

प्रकाशित पुस्तकें

महिला कवयित्री एवं शिक्षिका अनामिका वालिया ने अल्प आयु में ही कविताओं का लेखन शुरू कर दिया था और वीर रस की कविताओं के संकलन के रूप में 2014 में इनकी पहली काव्य पुस्तक 'एक और इंकलाब' पाठकों के सामने आई। उनकी इस प्रकाशित पुस्तक में देश प्रेम और महिला सशक्तिकरण से संबंधित कविताओं को समायोजित किया गया है। इसके अलावा उनकी रचनाएं विभिन्न समाचार पत्र व पत्रिकाओं में भी प्रकाशित होती रही हैं।

अनामिका वालिया

पुरस्कार व सम्मान

अनामिका वालिया को हरियाणा सरकार गोल्ड मेडल से सम्मानित कर चुकी है। साहित्य क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए उन्हें नारायणी फाउंडेशन के रूपा राजपूत सम्मान, रोटरी क्लब के ऑनरेरी मेंबर सम्मान मिला है। भारत विकास परिषद अंबाला शहर और पंचनद शोध संस्थान यमुना नगर द्वारा भी सम्मानित किया जा चुका है। उन्हें देश व विभिन्न राज्यों की साहित्यिक एवं प्रतिष्ठित संस्थाओं द्वारा काव्य मंचों से अनेक पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है।

व्यक्तिगत परिचय

नाम : अनामिका वालिया
जन्मतिथि : 19 मई 1989
जन्म स्थान : कैथल, (हरियाणा)
शिक्षा : एम.ए. (अंग्रेजी)
संप्रति : लेक्चरार (शिक्षा विभाग हरियाणा), लेखक एवं कवियत्री

बच्चों में समाज सेवा के रंग भरता 'नाचू के रंग'

पुस्तक : नाचू के रंग
लेखक : गोविंद शर्मा
मूल्य : 150 रुपये
प्रकाशक : पंचशील प्रकाशन

पुस्तक समीक्षा
शशि कांत चौहान

वरिष्ठ साहित्यकार गोविंद शर्मा 1971 से निरंतर बाल साहित्य की रचना करते आ रहे हैं। बाल साहित्य की उनकी पचास से अधिक पुस्तकें अब तक प्रकाशित हो चुकी हैं। 'नाचू के रंग' नया उपन्यास अब पाठकों के हाथों में है।

उपन्यास के नायक बालक नाचू के माध्यम से लेखक ने बच्चों को ही नहीं बल्कि बड़ों को भी सामाजिक सरोकारों के प्रति अपने दायित्व का निर्वहन करने का संदेश दिया है। बालक नाचू जो चित्रकार है अपनी ब्रुश और रंग के जरिये ही स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरुकता फैलाता है। इस उपन्यास में लेखक ने मनोरंजन के साथ-साथ सीख भी दी है। नाचू जो अपनी पढ़ाई पर पूरा फोकस रखता है और साथ ही दूसरों की मदद भी करता है।

उपन्यास में नाचू का पेंटिंग का शौक किस तरह से चोर और डाकुओं को पकड़वाने में मदद करता है यह समाज के प्रति उसके दायित्व का दिखाता है। एक बार वह विज्ञापन के कटाउट पर चौकीदार का चित्र बना देता है और उससे डरकर चोर को पकड़ लिया जाता है। नाचू जब अपने साथियों के साथ जंगल में डाकुओं को देखते हैं और उन्हें डाकुओं द्वारा छिपाया हुआ खजाना मिल जाता है तो नाचू किस तरह से सूझबूझ का परिचय देते हुए बक्से का रंग बदलकर खजाने को गांव में लाकर पुलिस के हवाले करते हैं तो यह इस बात का संदेश देती है कि इंसान को विपरीत परिस्थितयों में भी धैर्य का साथ नहीं छोड़ना चाहिए। नाचू के रंग ब्रुश की सफलता इस बात में कही जा सकती है कि उसने सफाई का संदेश देते चित्र बनाकर सवाल उठाया तो डंपिंग स्टेशन बनी जगह पर लोगों ने कूड़ा डालना बंद कर दिया। इसके साथ ही नाचू के रंग के बाल नायक के माध्यम से लेखक ने पौधरोपण का भी सफल संदेश दिया है।

बाल उपन्यास समाज की सभी छोटी बड़ी समस्याओं को उजागर करता हुआ और उनके समाधान प्रस्तुत करता नजर आता है और वह भी पूरे मनोरंजक तरीके से। उपन्यास इतना रोचक है कि पाठक एक बार में ही पूरा पढ़ जाता है।

लेखक गोविंद शर्मा के उपन्यास की भाषा सहज और सरल है। शीर्षक को साकार करते उपन्यास का कवर भी सुंदर बन पड़ा है। कुल मिलाकर नाचू के रंग उपन्यास सामाजिक सरोकारों के रंगों से सराबोर है। लेखक इसके लिए साधुवाद के पात्र हैं।

खबर संक्षेप

पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया

रोहतक। पूर्व सीनियर डिप्टी मेयर राजकमल उर्फ राजू सहगल ने बताया की भाजपा 5 जून से 15 अगस्त तक पर्यावरण दिवस मना रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर राष्ट्रव्यापी अभियान एक पेड़ मां के नाम 2.0 के अंतर्गत राधे रोध पार्क में पौधरोपण किया। राजू सहगल ने बताया बताया कि यह अभियान रोहतक को हरा-भरा, प्रदूषण मुक्त और एक नई वैश्विक पहचान दिलाने की दिशा मे एक महत्वपूर्ण कदम है। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष रणबीर सिंह ढाका, पूर्व मेयर मनमोहन गोयल, राजेंद्र प्रसाद, रॉकी सहगल, प्रिया कपूर ,रोहित शर्मा ,विकास शर्मा, धर्मेंद्र सैनी ,मनीष सैनी, राहुल उप्पल, राजेश मलिक, रिशु सोनी , नीरज खुराना, ललित मग्गू, धर्मबीर, फूल सिंह मोर मौजूद रहे।

शिविर में 86 लोगों के स्वास्थ्य की जांच हुई

रोहतक। वैद्य केसर दास सेवा समिति की तरफ से आर्युवेदिक हेल्थ चेकअप कैंप का आयोजन सावन बैंकट हाल के सामने वैद्य केसर दास लैब में किया गया। समिति के संचालक राजेश सिंधवानी ने बताया कि कैंप में 86 लोगों का इलाज आर्युवैदिक विधि से किया गया। समिति की ओर से आयुर्वेदिक दवाइयां मुफ्त दी गई। मरीजों में अधिकतर पथरी, खांसी, शुगर, जुकाम, बुखार, गला, गदूद, बवासीर आदि के मरीज थे। समिति द्वारा 22 जून को लेबर चौंक पर सामान्य एवं आंखों की जांच फ्री कैंप लगाया जाएगा। शुगर, एचबी, कॉलेस्ट्रॉल टेस्ट फ्री किए जाएंगे एवं आर्युवेदिक दवाइयां फ्री दी जाएंगी। इस अवसर पर विनोद जुनेजा, संजीव सचदेवा, जय सिंधवानी, आकाश सिंधवानी, कुणाल जुनेजा आदि मौजूद रहे।

पर्यावरण संरक्षण सबकी जिम्मेदारी : महेंद्र अरोड़ा

रोहतक। रामगली झज्जर रोड़ पर रविवार को प्रिन्टर्स एसोशिएशन की बैठक हुई। जिसमें मुख्य अतिथि प्रधान महेन्द्र अरोड़ा, अध्यक्षता चंद्रशेखर जिंदल एवं संयोजन उपप्रधान जेपी गौड़ ने किया। आयोजन सचिव योगेश अरोड़ा व कोषाध्यक्ष विजय तनेजा रहे। उन्होंने बताया कि कोई भी अनजान व्यक्ति प्रिन्टर्स सॉफवेयर के माध्यम किसी प्रिन्टर्स को तंग करता है, तो प्रधान को सुचित करें। झज्जर रोड़ पर स्वच्छता के लिए नगर निगम के कर्मचारियों को सहयोग करके स्वच्छता के कार्य को बढ़ाया जाए ताकि शहर को साफ रखने में एसोसिएशन की भी भागीदारी हो। एसो के सदस्यों को सदस्यता प्रमाण पत्र जल्द प्रेषित की जाएं। सभी महत्वपूर्ण दिवस व त्योहारों पर सामाजिक समरस्ता व भाईचारे को बढ़ावा देने के लिए एसो की ओर से शुभकामनाएं सदेश दिया जाए। पर्यावरण संरक्षण के लिए जुलाई में पौधोरोषण अभियान चलाकर लोगों को जागरूक किया जाएगा।

कर्मचारियों ने सीबीआई से जांच की मांग उठाई

रोहतक। भ्रष्टाचार की निष्पक्ष जांच की मांग को लेकर एक सप्ताह से हड़ताल पर बैठे पीजीआई के कर्मचारियों ने हड़ताल के सातवें दिन भ्रष्टाचार की सीबीआई जांच की मांग की। हड़ताल करने वाले कर्मचारियों ने कहा कि जब भ्रष्टाचार की शिकायतें की गई हैं तो कार्रवाई क्यों नहीं हो रही। कर्मचारियों ने कहा कि हमें पीजीआई प्रशासन द्वारा की जा रही जांच पर कोई विश्वास नहीं है। कर्मचारियों ने कहा कि अब आने वाले दिनों में कर्मचारियों की मांगे नहीं मानने पर कर्मचारी आमरण अनशन और भूख हड़ताल पर बैठेंगे। जो अधिकारी कह रहे हैं कि जल्द ही कौशल रोजगार में इन्हें सम्मिलित किया जाएगा तो फिर पिछले 4 साल से अधिकारी क्या कर रहे थे। क्या कर्मचारियों की मांगों पर हड़ताल के समय ही ध्यान दिया जाता है। उन्होंने कहा कि पीजीआई प्रशासन ही कर्मचारियों का दुश्मन बन कर बैठा है।

राजकीय महिला महाविद्यालय में योग शिविर का आयोजन

स्वस्थ रहने का मूल मंत्र योग,नियमित करें, दो सौ छात्राओं ने किया अभ्यास

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

अच्छे स्वास्थ्य के लिए योग को अपनी दिनचर्या में शामिल करें

21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की तैयारियों के संदर्भ में रविवार को राजकीय महिला महाविद्यालय गोहाना में एक दिवसीय योग शिविर आयोजित किया गया। योग शिविर आयुष विभाग और नागरिक अस्पताल गोहाना के सहयोग से आयोजित हुआ जिसमें महाविद्यालय के शिक्षकों के साथ 200 छात्राओं ने योग क्रियाओं का अभ्यास किया। शिविर की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य सतवीर सिंह ने की। उन्होंने कहा कि योग स्वस्थ रहने का एक मूल मंत्र है। योग एक प्राचीन भारतीय अभ्यास है जो शरीर, मन और आत्मा को एक साथ जोड़ता है। अच्छे स्वास्थ्य के लिए योग को अपनी दिनचर्या में शामिल करें। उनके अनुसार 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस भारतवर्ष में राष्ट्रीय स्तर पर धूमधाम से मनाया जाएगा। योग के इस महा उत्सव में हर देशवासी को भाग लेना चाहिए। शिविर में आयुष विभग की ओर से प्रोमिला कौर, दिनेश, कुलदीप, ज्योति, मंजु, प्रीति और जयदीप मान ने योग का अभ्यास करवाया। प्रो. शमशेर सिंह भंडेरी ने राष्ट्रीय गान के साथ योग शिविर का समापन करवाया। शिविर के आयोजन में महाविद्यालय के शिक्षकों में चांद सिंह मोर, संदीप कुमार, नमिता, वीरेंद्र, मुकेश, रितु, अनिता, एकता, संदीप, सुनील व प्रशांत का विशेष सहयोग रहा।

गोहाना। योग शिविर में प्रतिभागी छात्राएं अपने गुरुजनों व योग प्रशिक्षकों के साथ। *फोटो : हरिभूमि*

सोनीपत। योग प्रतियोगिता में विजेताओं को सम्मानित करते हुए। *फोटो : हरिभूमि*

हर ज्ञान प्रथम तो आर्य महिपाल सिंह रहे द्वितीय

सोनीपत। आयुष विभाग, शिक्षा विभाग और खेल विभाग के तत्वाधान में एसएम हिंदू स्कूल के हाल में जिले के ऑठो ब्लॉकों की योग प्रतियोगिता हुई। अध्यक्षता जिला योग समन्वयक अधिकारी डॉ. विनोद व मार्गदर्शन नोडल अधिकारी डॉ. संजय शर्मा का रहा। निर्णायक मंडल में जिला योग विशेषज्ञ डॉ. संगीता और जिला आयुर्वेदिक अधिकारी राम अवतार सिंह, डॉ. तेजवीर खोखर, डीपी दहिया, डॉ. सुचिता शामिल रहे। प्रतियोगिता में हर आयु वर्ग के योग साधक जो प्रथम द्वितीय और तृतीय स्थान पर आए हैं वे 15 जून को करनाल में होने वाले राज्य स्तरीय योग प्रतियोगिता में भाग ले सकते हैं और जो प्रदेश में पहले स्थान पर आएंगे उनको 21 जून को सम्मानित किया जाएगा। इस मौके पर योग शिक्षक वीरभान मोर, कुलदीप गहलावत, सज्जन सिंह सैनी, बबीता सांगवान आदि भी अलग-अलग आयु वर्ग में प्रथम द्वितीय और तृतीय स्थान पर रहे। इस मौके पर सैकड़ो योग साधकों ने भाग लिया।

सूरज कॉलेज बीसीए की छात्रा रिया शर्मा ने विश्वविद्यालय में पाया तीसरा स्थान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

रिया शर्मा

मनीषा

इंदिरा गांधी यूनिवर्सिटी मीरपुर रेवाड़ी द्वारा फाइनल सेमेस्टर के परिणाम में सूरज कॉलेज के विद्यार्थियों का प्रदर्शन उत्कृष्ट रहा। कॉलेज निदेशक संदीप प्रसाद ने भी परिणाम पर खुशी जाहिर करते हुए विद्यार्थियों अभिभावकों व शिक्षकों को बधाई दी और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। उन्होंने बताया कि बीसीए फाइनल सेमेस्टर की छात्रा रिया शर्मा पुत्री नरेंद्र कुमार ने 81.60 प्रतिशत अंक लेकर पूरे विश्वविद्यालय में तीसरा स्थान प्राप्त करते हुए कॉलेज में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

कोर्स के छात्र आशीष पुत्र कुलदीप सिंह ने 74.00 प्रतिशत अंक लेकर कॉलेज में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। इसी क्रम में छात्र विवेक कुमार पुत्र दिनेश कुमार ने 68.60 प्रतिशत, हर्ष पुत्र नरेश ने 68.00 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। वहीं बीएससी आनर्स फिजिक्स फाइनल सेमेस्टर की छात्रा मनीषा यादव पुत्री सुरेंद्र सिंह ने 88.00 प्रतिशत अंक लेकर पूरे विश्वविद्यालय में नौवां स्थान प्राप्त करते हुए कॉलेज में प्रथम स्थान प्राप्त किया। इसी क्रम में छात्रा अंशु पुत्री सत्यवान ने 80.22 प्रतिशत अंक लेकर कॉलेज में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। कॉलेज प्राचार्य डा. सुधाकर गुप्ता ने बताया कि कॉलेज का श्रेष्ठ परिणाम विद्यार्थियों के कठोर परिश्रम व शिक्षकों के मार्गदर्शन का परिणाम है।

खेत में मिला अज्ञात व्यक्ति का शव

खरखौदा। रविवार की सुबह झिंझौली गांव के एक खेत में एक व्यक्ति का शव मिला है। सुधीर बताते हैं कि जब वह अपने खेत में गया तो उसे एक अज्ञात व्यक्ति का शव दिखाई दिया। उसने तुरंत इसकी जानकारी देकर पुलिस को मौके पर बुलाया। व्यक्ति के शरीर पर कोई भी चोट के निशान नहीं है। शव को देखने से प्रतीत होता है कि व्यक्ति की मृत्यु का कारण भूख ,प्यास और गर्मी रही होगी। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सोनीपत भिजवा दिया है।

गांव मदीना के युवाओं ने तपती गर्मी में छबील लगाकर राहगीरों की प्यास बुझाई

राहगीरों ने युवाओं की सेवा भावना की काफी सराहना की

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

गांव मदीना के युवाओं ने तपती गर्मी में छबील लगाकर राहगीरों की प्यास बुझाई। युवाओं ने गोहाना-महम मार्ग पर मदीना मोड पर छबील लगाई और सड़क से गुजर रहे वाहनों को रुकवाकर उनमें सवार लोगों को कच्चे दूध की लस्सी पिलाई। राहगीरों ने गांव के युवाओं की इस सेवा भावना की काफी सराहना की जिससे युवा उत्साहित नजर आए।

गांव के युवा ट्रैक्टरों के पीछे पानी से भरे टैंकर जोड़कर लाए और सड़क किनारे खड़ा कर दिया। युवाओं ने टैंकर के पानी से ड्रमों में दूध से कच्ची व ठंडी लस्सी तैयार की। इस पुनीत काम में रामबीर मलिक, दिल्ली में अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर दीप सर्विसेज के एमडी दीपेंद्र मलिक, अजय मलिक, अंकित मलिक (सीआरपीएफ), राहुल मलिक, पहलवान अंकित, मोनू मलिक, विनय मलिक, वन विभाग दिल्ली से मोनू, अमित मलिक, अजय (दिल्ली पुलिस), अंकित वशिष्ठ, सौरभ मलिक और लक्ष्य प्रजापति ने अपनी सेवाएं दी।

गोहाना। राहगीरों की प्यास बुझाने के लिए छबील लगाए गांव मदीना के युवा।

नन्हें छात्रों ने सुंदर नृत्य से मोहा सबका मन

ऋषिकुल विद्यापीठ में ग्रीष्मकालीन शिविर के समापन पर कार्यक्रम का आयोजन

- बच्चों के साथ-साथ अभिभावकों ने भी गेम्स में बढ़ चढ़कर भाग लिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

ऋषिकुल विद्यापीठ में रविवार को ग्रीष्मकालीन शिविर (समर कैंप) का समापन हर्षोल्लास के साथ पूर्ण हुआ। 1जून से 8 जून तक पहली से आठवीं कक्षा तक के विद्यार्थियों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया। इस कार्यक्रम की थीम कहानी नैस्ट (घोंसला) रही। समापन समारोह का शुभारंभ विद्यालय के चेयरमैन एसके शर्मा द्वारा किया गया। तत्पश्चात नन्हें छात्रों ने अपने नृत्य के माध्यम से सबका मन मोह लिया। व्यक्तित्व विकास के लिए खेलकूद, अभिव्यक्ति और रुचिकर मनोरंजन को ध्यान में रखते हुए अनेक गतिविधियों तथा प्रतियोगिताओं- जैसे फन गेम्स, नृत्य, टंग ट्विस्टर, भाषण आदि का आयोजन कराया गया। बच्चों के साथ-साथ अभिभावकों ने भी गेम्स में बढ़ चढ़कर भाग लिया। इस कार्यक्रम के अंतर्गत छात्रों को विभिन्न गतिविधियां- आर्ट एंड क्राफ्ट, संगीत, पोटरी, फ्लैमलैस कुकिंग, पब्लिक स्पीकिंग आदि कराई गई। विद्यालय के निदेशक धीरज शर्मा ने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम से विद्यार्थियों को मनोरंजन के साथ-साथ सीखने के साधन भी उपलब्ध होते हैं। प्रधानाचार्य उमेश शर्मा ने बताया कि इस प्रकार के कार्यक्रमों से छात्रों का सर्वांगीण विकास होता है।

सोनीपत। ऋषिकुल विद्यापीठ में कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागी बच्चों के साथ चेयरमैन एवं अन्य। *फोटो :हरिभूमि*

स्वच्छता हर किसी के लिए जरूरी, अभियान को किसी सीमा में बांधना उचित नहीं: अजय

अजय पांचाल टीम ने भंभेवा गांव में चलाया पॉलिथीन मुक्त अभियान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

सोनीपत नगर निगम क्षेत्र में अजय पंचाल द्वारा नेतृत्व किए गए पॉलिथीन मुक्त अभियान चला रहा है। जिसके तहत सोनीपत में स्वच्छता के प्रति जागरूक करते हुए जूट व कपड़े के बैग वितरित किए जाते हैं। इस अभियान को और बढ़ाते हुए रविवार को जींद जिले के भंभेवा गांव में अभियान चलाया गया। पॉलीथिन मुक्त अभियान के तहत युवाओं ने सक्रिय रूप से भाग लिया और इस पहल को सफल बनाने में योगदान दिया। इस अभियान में राकेश कोच, संदीप नागर, मोहित, अजमेर, आरुष, विनोद, रविंदर नागर, मोहित, आदि जैसे युवाओं की भागीदारी रही। अजय पांचाल ने बताया कि स्वच्छता तो हर किसी के लिए जरूरी है। इसलिए अभियान को किसी सीमा में बांधना उचित नहीं है।

सोनीपत। लोगों को कपड़े के थैले वितरित करते अजय पांचाल एवं अन्य।

कपड़े के थैले वितरित

इसी सोच की वजह से आज जींद के भंभेवा गांव में घर-घर जाकर कपड़े के थैले वितरित किए गए और लोगों को पॉलीथिन के हानिकारक प्रभावों के बारे में बताया गया।

मुरथल विवि में किया पौधरोपण

पर्यावरण को शुद्ध रखने के लिए पेड़-पौधे जरूरी: वीसी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

दीनबंधु छोटू राम विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, मुरथल के कुलपति प्रो. श्रीप्रकाश सिंह ने कहा कि पौधारोपण पर्यावरण को शुद्ध रखने के लिए पेड़-पौधे जरूरी हैं। पौधें हमें आक्सीजन, फल और गर्मी में छांव देते हैं। उन्होंने कहा कि पौधोरापण से हरियाली छाएगी और जीवन में खुशहाली आएगी। धरा को हरा-भरा करने एवं जीवन को बचाने के लिए सबको पौधारोपण का संकल्प लेने की जरूरत है। विश्व पर्यावरण दिवस पर डीसीआरयूएसटी, मुरथल में पौधारोपण किया गया। कुलपति प्रो. सिंह ने कहा कि हमें अपने प्रत्येक खुशी के अवसर पर हमें पौधारोपण करना चाहिए। नवविवाहित दंपति को अपने जीवन का शुभारंभ पौधरोपण से करना चाहिए।

सोनीपत। पौधरोपण के दौरान उपस्थित कुलपति एवं अन्य। *फोटो :हरिभूमि*

अभियान चलाया साप्ताहिक अभियान: समाज कल्याण संगठन ने नगर गांव में किया पौधरोपण

संगठन ने जामुन, अर्जुन, पापड़ी और नीम के 24 पौधे रोपे, पुराने पौधों की निराई-गुड़ाई की

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

समाज कल्याण संगठन द्वारा रविवार को गोहाना-सोनीपत मार्ग पर शहर से सटे नगर गांव में पौधारोपण किया। पौधारोपण साप्ताहिक अभियान के तहत किया गया जिसमें संगठन के सदस्यों ने जामुन, अर्जुन, पापड़ी और नीम के 24 पौधे रोपे। संगठन के सदस्यों ने नवरोपित पौधों को ट्री गार्डों में संरक्षित किया ताकि पशु उनको नुकसान न पहुंचा सकें।

संगठन द्वारा गोहाना को ग्रीन सिटी बनाने के लिए गोद ले रखा है। संगठन ने गोहाना को करीब 15 साल पहले गोद लिया था। उसके बाद से ही संगठन द्वारा सप्ताह के प्रत्येक रविवार को साप्ताहिक अभियान के तहत गोहाना में सार्वजनिक स्थलों और सड़कों के साथ फुटपाथ की खाली जगह में पौधारोपण किया जाता है। इस अभियान में संगठन द्वारा गोहाना में अब तक विभिन्न किस्मों के काफी संख्या में पौधे रोपे जा चुके हैं। पौधारोपण में सुनील कुमार, मुकेश, बलजीत जांगउा, संदीप, अनूप, पुनीत, जगवीर, हरजीत धीमान, जगदीश और डॉ. बिजेंद्र का विशेष सहयोग रहा। पुराने पौधों की देखभाल की संगठन के सदस्यों ने इस अभियान में रोपे गए पुराने पौधों की निराई-गुड़ाई की गई। सदस्यों ने पौधों में पानी डाला और अव्यवस्थित हो चुके ट्री गार्डों को व्यवस्थित किया।

गोहाना। पुराने पौधों के ट्री गार्डों को व्यवस्थित करते संगठन के सदस्य। *फोटो : हरिभूमि*

सेल्फी विद डॉटर डे पर एमडीयू में कार्यक्रम आज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

सेल्फी विद डॉटर के अवसर पर 9 जून को महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय में राज्य स्तरीय समारोह का आयोजन किया जाएगा। डीन, स्टूडेंट वेलफेयर प्रो. रणदीप राणा ने बताया कि एमडीयू के यूनिवर्सिटी आउटरीच प्रोग्राम, डीन स्टूडेंट वेलफेयर ऑफिस तथा वूमेन स्टडी सेंटर द्वारा आयोजित किए जाने वाले इस कार्यक्रम में भारतीय पुनर्वास परिषद की चेयरपर्सन डॉ.शरणजीत कौर बतौर मुख्य अतिथि भाग लेंगी, जबकि एमडीयू कुलपति प्रो. राजबीर सिंह समारोह की अध्यक्षता करेंगे। लंदन से यहां आई प्रवासी भारतीय प्रीती बंसल इस समारोह की विशिष्ट अतिथि होंगी। इसके अलावा कार्यक्रम में कई वशिष्ट अतिथि भी भाग लेंगे। यह कार्यक्रम राधाकृष्णन सभागार में सुबह 10 बजे से प्रारंभ होगा।

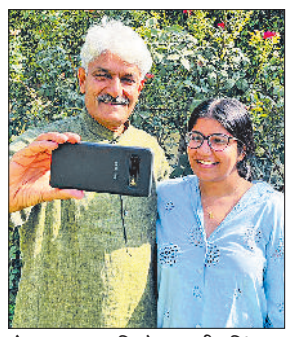

रोहतक। कुलपति प्रो . राजबीर सिंह अपनी बेटी के साथ सेल्फी लेते हुए।

खबर संक्षेप

घर में घुसकर चोरी करने के दो आरोपित गिरफ्तार

सोनीपत। सदर थाना सोनीपत पुलिस ने घर के अंदर घुसकर नकदी, मोबाइल व दोपहिया वाहन चोरी करने की वारदात में शामिल आरोपितो को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपित नवीन उर्फ बुद्धा व रोहित निवासी गांव बाघड़ के है। पुलिस ने आरोपितो को अदालत में पेश किया। जहां से उन्हें एक दिन के पुलिस रिमांड पर भेजा है। रिमांड अवधि के दौरान आरोपितो से पूछताछ की जा रही है।

गांव बाघड़ू निवासी रेशमा ने गत 6 जून को पुलिस से शिकायत देकर बताया कि वह रात को बच्चों के साथ कमरे में सो गई थी। सुबह उठी तो दूसरे कमरे में सामान बिखरा मिला। जांच की तो कमरे में रखे 50 हजार रुपये, चार मोबाइल गायब थे। गली में खड़ी बाइक भी वहां नहीं थी। रुपये उन्होंने जेल में बंद अपने पति की जमानत के लिए रखे थे। रेशमा ने आरोप लगाया कि चोरी की वारदात को गांव के ही रोहित और नवीन ने अंजाम दिया है।

दो की जगह पांच चेयर से बढ़ेगी मरीजों की सुविधा

डेंटल ओपीडी होगी शिफ्ट

अस्पताल की ओपीडी नंबर-14 में चेयर स्थापित करने का कार्य शुरू

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

जिला नागरिक अस्पताल प्रबंधन की तरफ से अस्पताल में आने वाले मरीजों की सुविधा के लिए जरूरी कदम उठाने का काम किया जा रहा है। अस्पताल प्रबंधन की तरफ से दंत रोग विभाग को ओपीडी नंबर-14 में स्थानांतरित किया जा रहा है। ओपीडी में कार्य पूरा होने पर मरीजों के लिए सुविधा बढ़ जायेगी। ओपीडी में पांच चेयर होने से मरीजों को सुविधा का लाभ मिल सकेगा। पहले ओपीडी में महज दो ही चेयर थी। जिसके चलते मरीजों को अपने नंबर के लिए लंबा इंतजार करने पर मजबूर होना पड़ता था।

अस्पताल प्रबंधन की तरफ से मरीजों की बढ़ती संख्या के चलते ओपीडी को शिफ्ट करने व ओपीडी में चेयर की संख्या बढ़ाने का कार्य किया गया है। दंत विभाग को ओपीडी नंबर-14 में शिफ्ट किया जा रहा है। जहां तीन नई चेयर स्थापित करने का कार्य किया जा रहा है। पहले से ओपीडी में दो चेयर हैं, वहीं ओपीडी में नई चेयर स्थापित होगी। जिसके बाद चेयर की संख्या पांच हो जायेगी। चिकित्सक एक साथ ओपीडी में पांच मरीजों के दांतों की जांच कर सकेंगें। कर्मचारी मशीनों को शिफ्ट करने के लिए तेजी से काम कर रहे है।

सोनीपत। मशीनों को स्थापित करते हुए कर्मचारी, दंत रोग विभाग जो दूसरी ओपीडी में होगा शिफ्ट।

रोजाना पहुंचते हैं 300 मरीज

नागरिक अस्पताल सोनीपत में हर रोज मरीजों की रजिस्ट्रेशन संख्या दो हजार से ज्यादा दर्ज की जा रही है। अस्पताल में दांतों के रोग से परेशानी करीब तीन सौ मरीज हर रोज अस्पताल में उपचार के लिए पहुंचते है। मौजूदा समय में दंत रोग ओपीडी में महज दो ही चेयर मरीजों के लिए उपलब्ध थी।

पहले ओपीडी में दो ही चेयर थी

दंत रोग ओपीडी में तीन नई चेयर आई है। पहले ओपीडी में दो ही चेयर उपलब्ध थी। ओपीडी में तीन नई चेयर उपलब्ध करवाई गई है। जिसके चलते दंत विभाग को ओपीडी नंबर-14 में स्थानांतरित किया जा रहा है। तीन नई मशीनों को स्थापित किया रहा है। जल्द ही दो मशीनों को भी स्थापित कर दिया जायेगा। चिकित्सक ओपीडी में एक साथ पांच मरीजों का उपचार कर सकेंगें। प्रबंधन की तरफ से हर संभव मरीजों की सुविधा के लिए कदम उठाने का काम किया जा रहा है।

-डा. ज्योत्सना, प्रधान चिकित्सक अधिकारी नागरिक अस्पताल।

शारीरिक और क्रियात्मक विकास में सहायक हैं खेल : देवेंद्र शर्मा

- राज्यस्तरीय फ्री स्टाइल और ग्रीको रोमन कुश्ती चैंपियनशिप में विजेता खिलाड़ियों को किया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

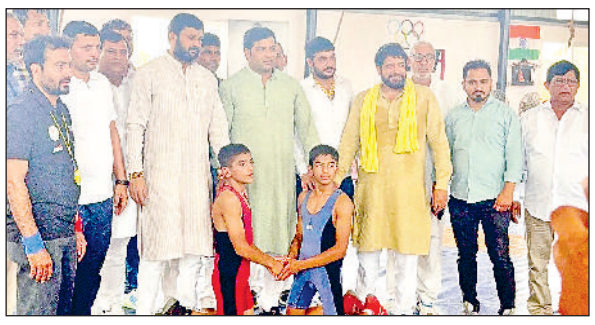

गोहाना। विजेता खिलाड़ियों को आशीर्वाद देते हुए चेयरमैन देवेंद्र शर्मा।

भारतीय कुश्ती संघ (डब्ल्यूएफआई) की प्रोटोकॉल कमेटी के चेयरमैन देवेंद्र शर्मा ने कहा कि खेल शारीरिक और क्रियात्मक विकास में सहायक हैं। हर युवा को पढ़ाई के साथ अपनी पसंद के खेल का अवश्य चुनाव करना चाहिए। वह लड़कियों की राज्यस्तरीय फ्री स्टाइल और ग्राको रोमन कुश्ती प्रतियोगिता की विजेता खिलाड़ियों को सम्मानित कर रहे थे। ऑलटियस पब्लिक स्कूल एंड कुश्ती अकादमी हिसार में 8 जून को लड़कियों की राज्यस्तरीय फ्री स्टाइल एवं ग्रीको रोमन कुश्ती चैंपियनशिप आयोजित की गई। चैंपियनशिप में हरियाणा प्रदेश के विभिन्न राज्यों से महिला खिलाड़ियों ने प्रतिभागिता की। चैंपियनशिप में जिला सोनीपत की खिलाड़ियों का उत्कृष्ट प्रदर्शन रहा। विजेताओं को डब्ल्यूएफआई की प्रोटोकॉल कमेटी के चेयरमैन देवेंद्र शर्मा ने बतौर मुख्य अतिथि सम्मानित किया। चेयरमैन ने कहा कि आज लड़कियां किसी भी क्षेत्र में लड़कों से पीछे नहीं हैं। अभिभावक अपने घर की बेटियों को खूब पढ़ाएं और खेलों में भाग लेने के लिए प्रेरित करें। वे बेटों के बराबर अपनी बेटियों को समान अधिकार दें।

नि:शुल्क बाल क्षय रोग जांच एवं सामान्य चिकित्सा शिविर 10 को

डॉ. एन.के. मित्तल।

गन्नौर। गीता विद्या मंदिर स्कूल पुरखास में निशुल्क बाल क्षय रोग जांच एवं सामान्य चिकित्सा शिविर का आयोजन 10 जून को किया जाएगा। जिसमें मित्तल नर्सिंग होम सोनीपत के वरिष्ठ बाल रोग विशेषज्ञ एवं जन स्वास्थ्य अधिवक्ता डॉ. एन.के. मित्तल के नेतृत्व में किया जाएगा। जानकारी देते हुए डॉक्टर एन के मित्तल ने बताया कि यह महत्वपूर्ण पहल जिला क्षय रोग केंद्र, सोनीपत के सहयोग से जिला टीबी अधिकारी डॉ. तरुण यादव के मार्गदर्शन में की जा रही है। यह प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य समय रहते टीबी का पता लगाकर उसे जड़ से खत्म करना है।

जारी रहा स्वच्छता अभियान, सफाई कर्मचारियों को किया सम्मानित

नालों में पाइप डालने के लिए 40 करोड़ का प्रस्ताव तैयार

- इस दौरान स्वच्छता के लिए दुकानदारों को भी किया प्रेरित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

सोनीपत। स्वच्छता अभियान के तहत सफाई कर्मचारियों को सम्मानित करते हुए मेयर राजीव जैन।

हर बार की तरह इस शनिवार को भी स्वच्छता अभियान चलाया गया। मेयर राजीव जैन की अगुवाई में सड़कों से लेकर गलियों तक की सफाई की गई। इस दौरान स्वच्छता के लिए दुकानदारों को भी जा जाकर प्रेरित किया गया। बताया गया कि स्वच्छ, सुंदर एवं स्वस्थ सोनीपत के संकल्प के साथ स्वच्छता पखवाड़ा मनाया जा रहा है। मेयर राजीव जैन ने कहा कि जन भागीदारी के बिना कोई भी अभियान सफल नहीं हो सकता। नालों की व्यवस्था ठीक करने के लिए नालों में पाइप डालने के लिए 40 करोड़ का प्रस्ताव तैयार किया गया है। उन्होंने कहा कि स्वच्छता अभियान का असर दिखने लगा है, काफी लम्बे समय से ठप्प पड़ी सफाई वयवस्था को गति मिली है। नालों की सफाई भी शुरू हुई है और सड़क पर पड़े कचरे के साथ साथ ढेर लगा कूड़ा, मिटटी-रोड़ी के ढेर तथा उगी हुई झाड़ियां भी हटाई जाने लगी है। दरअसल पहले सफाई कर्मचारी एवं अधिकारी मनमर्जी के मालिक थे और सफाई हुई या नहीं कोई चेकिंग करने वाला नहीं था। सड़कों से मोटे मोटे कूड़े को उठाया जाता था, नालों की सफाई टेंडर के हिसाब से हर माह होनी चाहिए थी परन्तु नालों के पत्थर हटाकर कोई नहीं देखता था जहां शिकायत मिलती केवल वंही पर सफाई की जाती थी। लेकिन अब सफाई को सफाई के तरीके से किया जा रहा है।

जरूरतमंदों को प्रोजेक्ट आहार के तहत भोजन किया वितरित

सोनीपत। लोगों को भोजन वितरित करते हुए क्लब के पदाधिकारी एवं सदस्यगण।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

रोटरी क्लब सोनीपत अर्डेंट ने अपने मासिक फ्लैगशिप प्रोजेक्ट "आहार" के अंतर्गत इस माह भी जरूरतमंदों को भोजन वितरित किया। इस सेवा कार्य में लगभग 500 जरूरतमंद लोगों ने गर्म, पौष्टिक और स्वादिष्ट भोजन का लाभ उठाया। इस अवसर पर क्लब के अध्यक्ष राजेश कटारिया, शशि कटारिया, सुधीर खुराना, अभिषेक गुप्ता, रेखा गुप्ता, पूर्व अध्यक्ष अशु नागपाल, पूर्व अध्यक्ष संजय अंटिल एवं अन्य सदस्यगण उपस्थित रहे और सभी ने सेवा कार्य में सक्रिय भागीदारी निभाई।

विद्यार्थियों ने विभिन्न रचनात्मक और शैक्षणिक गतिविधियों का उठाया आनंद

प्रताप स्कूल में समर कैंप का समापन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| खरखौदा

खरखौदा। कैंप के समापन अवसर पर विद्यार्थी व मार्गदर्शक।

प्रताप सिंह मेमोरियल वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, खरखौदा में 1 जून से 7 जून तक सात दिवसीय समर कैंप का आयोजन किया गया। जिसमें विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और विभिन्न रचनात्मक एवं शैक्षणिक गतिविधियों का आनंद उठाया। समर कैंप के दौरान विद्यार्थियों को खेलकूद, योग, चित्रकला, नृत्य, संगीत, कंप्यूटर, हैंडक्राफ्ट, सार्वजनिक बोल, टीम वर्क तथा नेतृत्व क्षमता जैसी विविध गतिविधियों में प्रशिक्षण दिया गया। प्रत्येक दिन की शुरुआत योग सत्र से होती थी, जिससे विद्यार्थियों को मानसिक और शारीरिक स्फूर्ति मिली। विद्यालय प्राचार्या दया दहिया ने बताया कि समर कैंप का उद्देश्य विद्यार्थियों को उनकी रुचियों के अनुसार बहुआयामी कौशल प्रदान करना था, जिससे उनका सर्वांगीण विकास सुनिश्चित किया जा सके। एकेडमिक डायरेक्टर डॉ सुबोध दहिया ने कहा कि ऐसे कैंप बच्चों में आत्मविश्वास और अनुशासन को बढ़ाते हैं। डायरेक्टर डॉ. सुबोध दहिया ने विद्यार्थियों को नई ऊर्जा, रचनात्मकता और सीखने की लगन के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। कैंप के समापन अवसर पर एक रंगारंग कार्यक्रम का आयोजन हुआ, जिसमें विद्यार्थियों ने अपने सीखे हुए कौशल का प्रदर्शन किया।

जीवन में सफलता के लिए आत्मविश्वास जरूरी : गोयल

ओमप्रकाश गोयल।

गोहाना। अगर जीवन में सफल बनना है तो खुद पर आत्मविश्वास रखें। यही वह मंत्र है जो जीवन के किसी भी मोड पर हताश नहीं होने देता और आगे बढने के लिए नई ऊर्जा प्रदान करता है। युवा खुद पर विश्वास रखें और मेहनत के साथ आगे बढ़ें। यह बात गोहाना में खानपुर कलां मार्ग स्थित लिटल एंजल्स कॉन्वेंट स्कूल के एमडी ओमप्रकाश गोयल ने कही। एमडी गोयल ने कहा कि सफलता पाने के लिए युवा अपनी खूबियों को पहचानें, अनुशासन का पालन करें और स्पष्ट लक्ष्य रखें। जीवन में हमेशा सीखने की आदत डालें। यह आदत युवाओं को उनकी मंजिल तक पहुंचाने का मार्ग प्रदशस्त करती है। ओमप्रकाश गोयल ने कहा कि जीवन में परिश्रम के बिना कुछ भी हासिल नहीं होता। युवा कठिन परिश्रम करें। जीवन में अगर कभी असफलता हाथ लगे तो हताश न हों अपितु पिछली गलतियों में सुधार करके सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ आगे बढ़ें। ऐसी स्थिति में आत्मविश्वास और सकारात्मक सोच जैसे गुण युवाओं के पथ प्रदर्शक का काम करते हैं।

किसी भी हालात में गोहाना जिले में नहीं होंगे शामिल : नरेंद्र सेहरी

- जन सम्पर्क अभियान के तहत गांव मटिंडू और छिनौली में हुई पंचायत
- पंचायत में सर्व सम्मति से प्रस्ताव पास किया गया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| खरखौदा

खरखौदा। पंचायत को संबोधित करते विकेश दहिया।

खरखौदा संघर्ष समिति द्वारा चलाए जा रहे जन सम्पर्क अभियान के तहत गांव मटिंडू और छिनौली में पंचायत की गई। जिसमें ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। पंचायत में सर्व सम्मति से प्रस्ताव पास किया गया कि वह किसी भी हालात में गोहाना जिले में शामिल नहीं होंगे। हंसराज राणा ने कहा कि रविवार 15 जून को खरखौदा में एक महा पंचायत की जाएगी और आंदोलन को तेज किया जाएगा। पंचायत को संबोधित करते हुए नरेंद्र ठेकेदार सेहरी ने कहा कि अगर सरकार जनसुविधा को नजरअंदाज करके नए गोहाना जिले में शामिल करने का प्रयास करेगी तो उसका पुरजोर विरोध किया जाएगा। किसी भी हालात में प्रस्तावित गोहाना जिले में शामिल नहीं होंगे।

ये रहे मौजूद: जनसंपर्क अभियान के तहत विकेश दहिया,नरेंद्र ठेकदार, सिकंदर दहिया,बिजेंद्र रोहणा, पृथी सिंह, वकील सुमित दहिया, जोरावर, सुरेश आदि मौजूद रहे।

राठधना में दादी सती का लगाया भंडारा, की सुख-समृद्धि की कामना

- ऐसे धार्मिक आयोजन हमारी सांस्कृतिक विरासत का अभिन्न अंग : सरोहा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

सोनीपत। कार्यक्रम में पहुंचें अतिथियों को स्मृति चिन्ह भेंट करते सीनियर डिप्टी मेयर साथ में अन्य।

सोनीपत नगर निगम के सीनियर डिप्टी मेयर, राजीव सरोहा ने आज अपने पैतृक गांव राठधना में आयोजित ब्राह्मण दादी सती के वार्षिक भंडारे में दर्शन किए और प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर उन्होंने सभी शहरवासियों और क्षेत्र के लोगों की सुख-समृद्धि, शांति और खुशहाली की कामना की।

भंडारे में उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए सरोहा ने कहा कि ऐसे धार्मिक आयोजन हमारी सांस्कृतिक विरासत का अभिन्न अंग हैं और ये हमें आपस में जोड़ते हैं। उन्होंने सभी से आपसी सौहार्द और भाईचारा बनाए रखने का आह्वान किया। सरोहा ने बताया कि इस भंडारे में दूर-दूर से श्रद्धालु आते हैं और दादी सती का आशीर्वाद प्राप्त करते हैं। उन्होंने गांव के सभी आयोजकों और सेवादारों को इस सफल आयोजन के लिए धन्यवाद दिया। इस दौरान गांव के गणमान्य व्यक्ति और आसपास के क्षेत्रों से आए श्रद्धालु भी उपस्थित रहे।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि कार्यालय, बीएसएनएल के सामने, पुल के साथ, सोनीपत
फोन : 0130-2989288, 9253681010, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2000/- रु. 2500/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
हरिभूमि कार्यालय, बीएसएनएल के सामने, पुल के साथ, सोनीपत
फोन 0130-4012310, 9253681028

कार्यक्रम

मंदिर में माथा टेककर प्रदेश की सुख-समृद्धि की कामना की

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने सोनीपत में गुरु गोरखनाथ और व्हाईट लिली सोसायटी में की शिरकत

बिना भेदभाव काम करना भाजपा सरकार की कार्य संस्कृति : बड़ौली

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली रविवार को सोनीपत में बाबा गुरु गोरखनाथ धाम और व्हाइट लिली सोसाइटी स्थित मंदिर में पहुंचे। यहां उन्होंने श्रद्धा भाव से माथा टेककर प्रदेश की सुख-समृद्धि, शांति और जनकल्याण की मंगल कामना की। इस मौके पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा के शासन में किसी के साथ कोई भेदभाव नहीं किया जाता। बिना भेदभाव के काम करना ही भाजपा सरकार की कार्य संस्कृति है। उन्होंने कहा कि जनसेवा का मार्ग तभी सार्थक होता है जब हम जनता के बीच रहकर उनकी भावनाओं को समझें और मिलकर समाधान निकालें। हर मुलाकात, हर चर्चा एक नई ऊर्जा और दिशा देने का कार्य करती है। उन्होंने कहा कि जनता के सुझाव ही हमारी नीति और नीयत की दिशा तय करते हैं।

सोनीपत। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली का स्वागत करते हुए।

भाजपा सनातन परंपरा पर चलने वाली पार्टी

सोनीपत स्थित गुरु गोरखनाथ धाम में माथा टेकने के बाद उन्होंने कहा कि सदियों से गुरु गोरखनाथ जी की तपोभूमि अध्यात्म, साधना और सेवा का प्रतीक रही है। बड़ौली ने कहा कि भाजपा सनातन परंपरा और भारतीय संस्कृति पर चलने वाली राजनीतिक पार्टी है। बिना किसी भेदभाव के काम करके सनातन संस्कृति को आगे बढ़ा रही हैं। हमारे लिए संतों का सम्मान सर्वोपरि है।

सात दिवसीय शिविर में विद्यार्थियों ने सीखे गुर

गोहाना। राजकीय माडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय मदीना में आयोजित सात दिवसीय भारतीय भाषा समर कैंप रविवार को संपन्न हो गया। शिविर दो से आठ जून तक आयोजित किया गया। शिविर का उद्देश्य विद्यार्थियों को भारत की भाषाओं व विविधता से परिचित करवाना, भाषाओं के प्रति सम्मान की भावना विकसित करना एवं राष्ट्रीय एकता को सुदृढ़ करना रहा। शिविर में प्रतिदिन भारतीय भाषाओं जैसे बांग्ला, असमिया, गुजराती, मराठी, पंजाबी, राजस्थानी आदि की विभिन्न जानकारियां विद्यार्थियों को दी गई। भाषा विशेष के गीत, लोक कथाएं और सांस्कृतिक गतिविधियों का संचालन किया गया। विद्यालय के शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने शिविर में बढ़ चढ़कर भाग लिया। विद्यालय के प्राचार्य डा. पंकज कौशिक ने कहा कि शिविर विद्यार्थियों के लिए एक यादगार एवं प्रेरणादायक अनुभव रहा।